एक ओवर में 6 चौके

रहाणे ने आईपीएल 2012 के एक मैच में एक ओवर में 6 चौके लगा दिए थे। तब रहाणे राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेल रहे थे और उनके सामने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलौर थी। रहाणे ने तब नॉटआउट 103 रनों की पारी खेली थी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यह कारनामा कई बल्लेबाजों ने किया है।

करार्टे से क्रिकेट तक, ऐसा है अजिंक्य रहाणे का दबदबा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिनका संबंध दो खेलों से रहा है। वह कराटे में ब्लैक बेल्ट हैं तो क्रिकेट करियर के बारे में सभी जानते ही हैं। दाएं हाथ के इस क्लासिकल बल्लेबाज का आज यानी 6 जून (1988) को 32वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ रोचक बातें...

ब्लैक बेल्ट रहाणेः टीम इंडिया के इस बल्लेबाज ने 12 साल की उम्र में ही कराटे में ब्लैक बेल्ट हासिल कर लिया था। आज भी जब भी मौका मिलता है तो वह कराटे की प्रैक्टिस करने से नहीं चूकते।

एक मैच में 8 कैचः साल 2015 की बात है, तब श्री लंका के खिलाफ एक टेस्ट मैच में रहाणे ने 8 कैच पकड़े थे। इसके साथ ही वह एक टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लपकने वाले (नॉन विकेट–कीपर) खिलाड़ी बन गए थे। रहाणे ने पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में पांच कैच पकड़े थे।

बचपन की दोस्त से की शादीः रहाणे ने 25 नवंबर 2014 को अपनी बचपन की दोस्त राधिका से शादी की थी। राधिका का घर रहाणे के पड़ोस में ही था। अजिंक्य रहाणे धर्म–कर्म में पीछे नहीं हटते। शिरडी के साईं बाबा और भगवान गणेश में उनकी खास आस्था है।

सटीकता के मामले में मैक्ग्रा से कम नहीं थे श्रीनाथ

क्रिकेट

पार्थिव ने जवागल श्रीनाथ की तारीफ, कहा कीपिंग करना आसान नहीं होता था

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। मौजूदा भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतरीन माना जा रहा है। इसमें इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाज भारत को देश और विदेश में जीत दिला रहे हैं। भारतीय टीम में मुख्य रूप से स्पिनर्स और बल्लेबाजों का दबदबा रहा है। भारतीय पिचें भी स्पिनर्स के लिए मुफीद होती हैं। 1980 के दशक में कपिल देव से भारत में तेज गेंदबाजी की परंपरा की शुरुआत मानी जाती है इसके बाद जवागल श्रीनाथ ने उसे आगे बढ़ाया इसके बाद जहीर खान ने कमान संभाली।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल का कहना है कि कई बार जहीर खान और जवागल श्रीनाथ के सामने कीपिंग करना काफी मुश्किल होता था। पटेल ने कपिल देव के अलावा उपरोक्त सभी के साथ टेस्ट मैच खेला है। पार्थिव ने 2002 में 17 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने श्रीनाथ के साथ तीन टेस्ट मैच खेले। तब जवागल श्रीनाथ अपने करियर के अंतिम दौर में थे।

पटेल ने एक वेबसाइट से कहा, जहीर और जवागल श्रीनाथ खेल रहे थे तो भी एक बड़ी चुनौती थी। पिच में ज्यादा उछाल नहीं था। उन्होंने कहा, भारत में आपको विदेशों के मुकाबले विकेट के अधिक करीब खड़ा होना पड़ता है। तो मैंने यह सीखा कि जब गेंद रिवर्स स्विंग हो रही हो तो आपको कहां खड़े होना है। पटेल ने ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा और जवागल श्रीनाथ के बीच समानताएं भी बताईं। पटेल ने कहा, लोग ग्लेन मैक्ग्रा के बारे में बात करते हैं लेकिन जब मैंने पहली बार श्रीनाथ के खिलाफ विकेटकीपिंग की तो महसूस किया कि वह अच्छी रफ्तार और उछाल के साथ बिलकुल सही लाइन पर गेंदबाजी कर रहे थे।

पार्थिव पटेल ने आखिरी बार श्रीनाथ के सामने अक्टूबर 2002 में विकेटकीपिंग की थी। यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डस में वेस्टइंडीज के खिलाफ था। उन्होंने कहा, श्रीभाई (श्रीनाथ) अपनी आखिरी सीरीज खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने कोई टेस्ट मैच नहीं खेला।ि अपनी आखिरी सीरीज में भी उन्होंने अच्छी रफ्तार और सटीकता से गेंदबाजी की।

2003 वर्ल्ड कप के बाद श्रीनाथ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने भारत के लिए 67 टेस्ट मैच और 229 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले। उन्होंने टेस्ट में 236 और वनडे में 315 विकेट लिए।

कोरोना का बहाना नहीं दिया सैंपल तो चार साल का बैन!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोविड–19 की आड़ लेकर जानबूझकर डोपिंग टेस्ट से बचने वाले ऐथलीट्स पर चार साल का बैन लगाया जाएगा। नैशनल ऐंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने यह घोषणा की है। हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक जो ऐथलीट घर आने वाले डोप कंट्रोल ऑफिसर्स (डीसीओ) को जानबूझकर सैंपल देने से इनकार करेंगे उनके साथ ऐसा किया जाएगा।

नाडा द्वारा दी गईं गाइडलाइंस के मुताबिक तोक्यो ओलिंपिक के संभावितों की ड्रग टेस्टिंग की जा रही है। साथ ही देश में खेल गतिविधियां और नैशनल कैंप भी दोबारा शुरू करने की तैयारियां की जा रही हैं। इसके साथ ही अगर कोई खिलाड़ी अधिकारियों को सैंपल सौंपते समय दस्ताने और डिस्पोजेबल फेस बाक्स नहीं पहनेंगे या हैंड सैनेटाइजर का इस्तेमाल नहीं करेगा, तो इसे दंडनीय अपराध माना जाएगा।

भारत के विशेष ऐथलीट्स की

सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए डीसीओ को भी विशेष सावधानियां बरतने के निर्देश

सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए डीसीओ को भी विशेष सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए हैं। नाडा ने कहा है कि डीसीओ को विजिट की सुबह और शाम को स्व–प्रत्यापण करना होगा, उन्हें कोविड–19 का कोई लक्षण नहीं है।

उन्हें यह भी स्पष्ट करना होगा कि– श्वे किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में नहीं आए हैं जिसकी कोविड–19 की रिपोर्ट आनी बाकी है या जो पॉजीटिव रह चुका है। और वे ऐसे किसी व्यक्ति के संपर्क में नहीं हैं जो क्वॉरनटीन या सेल्फ–आइसोलेशन में है। साथ ही वे कोविड–19 मरीजों के साथ सक्रिय रूप से स्वास्थ्य कर्मचारी के रूप में काम नहीं कर रहे हैं।

ब्रावो, हेटमायर की कमी खलेगी लेकिन फैसले का हो सम्मान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग और इयान बिशप ने कहा कि डेरेन ब्रावो और शिमरोन हेटमायर के कोविड–19 महामारी से उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के कारण तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड की यात्रा नहीं करने के फैसले का सम्मान करना चाहिए, हालांकि उन्होंने माना कि टीम को उनकी कमी महसूस होगी।

ब्रावो और हेटमायर के अलावा कीमो पॉल ने भी आठ जुलाई से शुरू होने वाली विजडन ट्रॉफी के लिए ब्रिटेन जाने से इनकार कर दिया। होल्डिंग ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, 'जहां तक वेस्टइंडीज क्रिकेट का संबंध है तो मुझे लगता है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं किसी को यह नहीं कहने जा रहा हूं कि कोविड–19 के समय में उन्हें इंग्लैंड जाना चाहिए, कोई भी बीमार पड़ सकता है या फिर और भी बुरा हो सकता है।' 'लेकिन साथ ही मुझे लगता है कि यह वेस्टइंडीज टीम के दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि ये काफी प्रतिभाशाली हैं और उनकी कमी खलेगी।' होल्डिंग हालांकि मानते हैं कि इंग्लैंड की सीरीज ब्रावो के लिए अपने करियर को फिर से पटरी पर लाने के लिए अच्छा मौका होती जिन्हें नवंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से बाहर कर दिया गया था।

न्यूज डायरी

पूर्व फुटबॉलर हमसा कोया का निधन, फैमिली के 5 सदस्य अब भी संक्रमित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मल्लापुरम (केरल)। पूर्व संतोष ट्रॉफी फुटबॉलर हमसा कोया का शनिवार को यहां एक अस्पताल में कोविड–19 वायरस से निधन हो गया। इसके साथ ही इस संक्रमण से राज्य में मरने वालों संख्या 15 तक पहुंच गई। पाराप्पानांगडी के निवासी हमसा कोया 61 वर्ष के थे और मुंबई में बस गए थे। वह संतोष ट्रॉफी में महाराष्ट्र राज्य के लिए खेलते थे और मशहूर क्लब मोहन बागान और मोहम्मडन स्पोर्ट्स क्लब के लिए भी खेले थे। वह नेहरू ट्रॉफी में राष्ट्रीय टीम के लिए भी खेले थे। वह और उनका परिवार 21 मई को अपने गृहनगर आया था और तब से पृथकवास में थे। उनके परिवार के पांच सदस्यों को भी कोरोना वायरस पॉजीटिव पाया गया और उनका उपचार चल रहा है। मल्लापुरम जिला चिकित्सा अधिकारी डा के सकीना ने कहा कि हमसा कोया के पत्नी और बेटे में सबसे पहले कोविड–19 के लक्षण दिखायी दिए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि हमसा कोया को सभी संभव मेडिकल उपचार दिया गया लेकिन आज सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

लिएंडर पेस पूरा करना चाहते हैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का शतक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का शतक करने से सिर्फ तीन टूर्नामेंट दूर है लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण खेल प्रतियोगिताएं ठप्प होने से इस उपलब्धि को हासिल करने को लेकर उनके मन में अनिश्चितता बरकरार है। अपने शानदार करियर में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके पेस तोक्यो ओलिंपिक में खेलकर रेकॉर्ड भी बनाना चाहते हैं। पेस ने पिछले साल कहा था कि 2020 उनके करियर का आखिरी साल होगा और वह आठवीं बार ओलिंपिक में खेलकर संन्यास ले लेंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण चार साल में होने वाले इन खेलों को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया है। पेस ने टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के 'चैट शो' 'स्पॉटलाइट' में कहा, 'ओलिंपिक में अभी काफी समय है। उन्होंने आगे कहा– मुझे नहीं लगता कि टेनिस टूर्नामेंट जुलाई या अगस्त तक शुरू हो पाएंगे। यह शायद अक्टूबर या नवंबर से शुरू हो, अभी किसी को कुछ नहीं पता।

पृथ्वी और अंतरिक्ष के बीच होगा शतरंज का महामुकाबला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। कोरोना महामारी के बीच शतरंज ही एक ऐसा खेल है, जिसका जादू अभी कम नहीं हुआ है और न इसके खेलने वालों पर ही कोई असर पड़ा है। 64 वर्गों वाले इस खेल की सीमाएं भी अब धरती की सीमा पार कर आसमान में पहुंच गई हैं। रूस में आने वाले 9 जून को धरती और आसमान के बीच शतरंज का एक महामुकाबला खेला जाने वाला है, जिसमें अंतरिक्ष की एक टीम भी हिस्सा लेने वाली है। इस अद्भुत खेल में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से कॉस्मोनॉट्स अनातोली इविनेशिन और इवान वैगनर धरती की ओर से खेलने वाले ग्रैंडमास्टर सर्गेई कारजाकिन से मुकाबला करेंगे। शतरंज का यह मुकाबला 9 जून 1970 को पहली बार पृथ्वी और अंतरिक्ष के बीच खेले गए शतरंज के मुकाबले की 50वीं एनिवर्सरी पर खेला जाने वाला है। इस मुकाबले में पृथ्वी की ओर से 30 साल के रूसी खिलाड़ी सर्गेई कारजाकिन शिरकत करेंगे।

जो रूट के लिए क्वॉरंटीन नियम तोड़ेगा इंग्लैंड क्रिकेट!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट सात दिन के क्वॉरंटीन के नियम के कारण अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ जुलाई से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो सकते हैं। इसी तारीख के आस–पास उनकी पत्नी दूसरी बार मां बनने वाली हैं। अगर रूट इस समय परिवार के साथ रहे तो टीम से जुड़ने से पहले उन्हें सात दिन तक क्वॉरंटीन में रहना होगा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के दिशानिर्देशों के अनुसार रूट को राष्ट्रीय टीम में शामिल होने से पहले एक सप्ताह तक क्वॉरंटीन में रहना होगा। ईसीबी हालांकि लगातार अपने दिशानिर्देशों की समीक्षा कर रहा है और अगले महीने तक क्वॉरंटीन के नियम में ढील दी जा सकती है।